Eklavya University

Bachelor of Art

(Sanskrit)

Session 2021-22 (से लागू)

I Year

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्त्ये लक्ष्यसन्धानम्

बी.ए. संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय

कार्यक्रमः प्रमाण पत्र	कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्षः 2023	सत्र 2021–22

विषय : संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	**EUA1-SANS-1T**
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**वेद और व्याकरण (प्रश्न पत्र 1)**
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ....)	**कोर कोर्स**
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हों)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय..... का अध्ययन कक्षा / 12 वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।....... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है– सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5.	कोर्स आब्जेक्टिव्स (CO)	1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना। 2. विश्व की धरोहर के रूप में घोषित ऋग्वेद सहित

Nidhi

Ashish

		संपूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञान महिमा से छात्र लाभान्वित होंगे। 3. व्याकरण के माध्यम से संस्कृत भाषा साहित्य की संरचना की समझ में सहायक। 4. छात्र में संस्कृत लेखन और अनुवाद की कला का विकास होगा।	
6.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. संस्कृत भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना। 2. प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी। 3. प्राचीन देवताओं और यज्ञ विधाओं से छात्र सुपरिचित हो सकेगा। 4. पृथ्वी की महिमा से अवगत होकर छात्र में पृथ्वी माता के प्रति समर्पण की भावना विकसित होगी।	
7.	स्टूडेंट लर्निंग आउटकम्स (SLO)	1. छात्र के धार्मिक और आध्यात्मिक व मनोवैज्ञानिक विकास में सहयोगी सिद्ध होगा। 2. वाक्य निर्माण व प्रयोग का ज्ञान। 3. संस्कृत भाषा में अनुवाद कला एवं सम्भाषण कौशल का विकास होगा। 4. छात्रों में भाषा कौशल एवं अनुकूलन की सोच विकसित होना।	
8.	क्रेडिट मान	06	
9.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 33

Ashish Nidhi

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या–ट्यूटोरियल–प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P:-03**		
इकाई	विषय	व्याख्यान की कुल संख्या
I	i. **संस्कृत भाषा का परिचय** : संस्कृत भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत का परिचय एवं विशिष्टताएं। ii. **वेद** : स्वरूप, लक्षण, भेद, अपौरूपेयता, रचनाकाल। iii. **वैदिक साहित्य** : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का सामान्य परिचय। iv. **प्रसिद्ध वेद भाष्यकारों का परिचय** : सायण, महीधर, उब्बट, दयानंद सरस्वती ।	15
II	**वैदिक सूक्त** : व्याख्या, समीक्षा एवं व्याकरणिक टिप्पणियां। 1. ऋग्वेद – अग्निसूक्त 1.1। 2. यजुर्वेद – शिवसंकल्प सूक्त XXXIV । 3. अथर्ववेद– पृथ्वी सूक्त – काण्ड – 12, सूक्त –1 (1–5 मंत्र)।	15

Ashish

Delhi

III	**शब्दरूप, धातुरूप एवं लकार –** 1. शब्दरूप – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन्, वाक्, सर्व, तत्, यत्, इदम, अस्मत् तथा युश्मत्। 2. धातुरूप – पठ्, भू, कृ, अस्, रूध्, क्री, चुर् तथा सेव्। 3. लकार परिचय – (केवल पांच लकार) लट्, लोट्, विधिलिङ्, लङ्, एवं लृट्।	15	
IV	**लघुसिद्धान्तकौमुदी / कातंत्र व्याकरण** (संज्ञा, सन्धि एवं विभक्ति प्रकरण) सूत्रों की व्याख्या एवं प्रयोग	15	

V	**(अ) संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद कौशल** 1. **संस्कृत सम्भाषण** : आत्मपरिचय, विभक्ति प्रयोग, सर्वनाम शब्दों का प्रयोग (तत्,एतत्,किम् यत् – तीनों लिङ्गो एवं तीनों वचनों में)। अव्यय प्रयोग (अत्र, यत्र – तत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र, आम्न, अद्य, श्वः, ह्यः परश्वः परह्यः, इदानीम्, पुरतः पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, सम्यक् अपि च, अतः एवम्, इति, यदि–तर्हि, यथा–तथा, यदा–तदा, कदा, कति, किम्, कुतः कथम्, किमर्थम्, खलु। 2. **कृदन्त प्रत्यय** – क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु – प्रत्ययों का प्रयोग 3. **सङ्ख्या** – एकतः शतं यावत्। **(ब) अनुवाद कौशल** संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद पर आधारित परियोजना कार्य/मौखिकी परीक्षा के आधार पर मूल्याङ्कन।	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः वेद, संज्ञा, सन्धि, कारक, अनुवाद, अव्यय, सम्भाषण।		
भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन		

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. झा, डॉ. तारिणीश – ''ऋक्सूक्त संग्रह'', प्रकाशन केन्द्र, रेलवे क्रासिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ, 126007
2. मिश्र, डॉ. यदुनंदन – ''वेद संचयनम्'', चौखंभा विद्याभवन वाराणसी 1990
3. शास्त्री, चारूदेव – ''वाग्व्यवहारादर्श'', मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1970
4. आचार्य, डॉ. रामकृष्ण – ''ऋक् सूक्त समुच्चय'', विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, 1983
5. कुशवाहा, महेश सिंह – ''लघु सिद्धान्त कौमुदी'', चौखंभा, सुरभारती वाराणसी, 1995
6. चौधरी, रामविलास – ''लघु सिद्धान्त कौमुदी'', मोतीलाल वनारसी दास, वाराणसी, 2013
7. द्विवेदी, आचार्य कपिलेदव – ''प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी'' वि.वि. प्रकाशन वाराणसी, 2001
8. त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द – ''अनुवाद चंद्रिका'', वि.वि. प्रकाशन वाराणसी, 2001
9. गोविन्दाचार्य – ''लघु सिद्धान्त कौमुदी'', चौखंभा, सुरभारती वाराणसी
10. शास्त्री, डॉ. हरिदत्त – ''ऋक्सूक्त संग्रह'', साहित्य भण्डार, मेरठ, 1980
11. उपाध्याय, आचार्य बलदेव– ''वैदिक साहित्य का इतिहास'', शारदा संस्थानम्, दुर्गा कुंज, वाराणसी
12. त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द – ''रूप चंद्रिका'', विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी , 2013
13. द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव – ''संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'',
14. रामनारायण लाल विजय कुमार, 2 कटरा रोड़ इलाहाबाद, 2013
15. ''भाषा प्रवेशः'', प्रथम एवं द्वितीय भाग, प्रकाशन, संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
16. ''विभक्तिवल्लरी'', प्रकाशन – संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
17. कातंत्र व्याकरण शर्ववर्मकृत भावसेन त्रिविध, त्रिलोक शोध संस्थान हस्तिनापुर मेरठ।

Ashish Nidhi

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक – ई–सोर्सेस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई–पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय, भाषा संस्थान मैसूर,

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः– शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरूपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Marerial B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya. Kota

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ट प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अकः 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 75

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंकः 25
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 02.00 घंटे	अनुभाग(अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग(ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग(स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 X 03 = 09 04 X 09 = 36 02 X 15 = 30 कुल अंक 75
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

Nidhi Ashish

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्ये लक्ष्यसन्धानम्

बी.ए. संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2023	वर्ष: 2021–22

विषय : संस्कृत

1	पाठ्यक्रम का कोड	EUA1-SANS-2T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आर्ष काव्य एवं लौकिक काव्य (प्रश्न पत्र 2)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / एलेक्टिव / वोकेशलन / ....)	(कोर) कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन कक्षा / 12 वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो ।...... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:– सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक । 2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक । 3. भारतीय संस्कृति के अवबोध एवं महापुरूषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना ।

Ashish
Nidhi

		4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान। 5. रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय। 6. छात्र में कथा लेखन की शैली का विकास। 7. उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।	
6.	क्रेडिट मान	06	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक :25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : L-T-P: -03

इकाई.	शीर्षक	व्याख्यान की संख्या
I	**बाल्मीकि रामायण–** बालकाण्ड – प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांश से व्याख्या तथा बाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	15
II	**महाभारत–** शान्ति पर्व अध्याय–192, पठितांश से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15
III	**रघुवंशम् –** प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) – पठितांश से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15
IV	**स्वप्नवासवदत्तम्–** प्रथम से तृतीय अंक– पठितांश से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	15

Nidhi Ashish

V	**हितोपदेश –** (अ) मित्रलाभ – पठितांश पर आंधारित उपदेशात्मक प्रश्न। (ब) नीतिशतकम् – (1 से 50 पद्य) अनुवाद/प्रश्न (स) सुनीतिशतकम् – सामान्य परिचय से संबंधित प्रश्न	30
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : आर्षकाव्य, महाकाव्य, रूपक, जीवन, मूल्य		
भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन पाठ्य पुस्तक – त्रयी – म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल		

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्रीः

1. दवे डॉ. समीक्षा – ''बाल्मीकि रामायण'' बालकाण्ड, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
2. ''महाभारत– शान्तिपूर्ण'', सम्पादक– गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
3. त्रिपाठी डॉ. कृष्ण मणि – ''रघुवंशम्''– प्रथम सर्ग, चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,2012
4. शर्मा रेग्मी पंडित शेषराज – ''रघुवंशम्'' – प्रथम सर्ग, चौखंभा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009
5. झा डॉ. तारिणीश– ''स्वप्नवासवदत्तम्''. रामनारायण बैनीमाधव इलाहाबाद 1973
6. चतुर्वेदी वासुदेव कृष्ण – ''स्वप्नवासवदत्तम्'' महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
7. नारायण पंडित – ''हितोपदेश मित्रलाभ'', धर्म नीराजना प्रकाशन दिल्ली 2004
8. उपाध्याय आचार्य बलदेव, ''संस्कृत सुकवि समीक्षा'', शारदा प्रकाशन, वाराणसी
9. त्रिपाठी डॉ. राधावल्लभ– ''संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास'', वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी 2001
10. उपाध्याय आचार्य बलदेव – ''संस्कृत साहित्य का इतिहास'', शारदा निकेतन, वाराणसी 1970
11. मुसलगांवकर राजेश्वर शास्त्री – ''नीतिशतकम्'' चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी 2014
12. सुनीतिशतकम्, आचार्य विद्यासागर धर्मोदय प्रकाशन सागर
13. मिश्र आचार्य रामचन्द्र – ''संस्कृत साहित्य का इतिहास'', चौखंम्भा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
14. झा डॉ. तारणीश– ''रघुवंशम् प्रथम सर्ग'', प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
15. वैदिक साहित्य समुच्चय डॉ. आशीष कुमार जैन

अनुशंसित डिजिटल प्लेफॉर्म वेब लिंक – ई–सोर्सेस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई–पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, Swayam.gov.in

Ashish

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः– शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री॰ लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरूपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material . B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalya, Kota		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 25 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 75		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):30	क्लास टेस्ट	15
	असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण	15
		कुल अंकः 25
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 02.00 घंटे	अनुभाग(अ) तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग(ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 षब्द) अनुभाग(स):दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 X 03 = 09 04 X 09 = 36 02 X 15 = 30 कुल अंक 75
कोई टिप्पणी / सुझाव		

Ashish